झारखंड का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक

संडे

प्रभात खबर

अखबार नहीं आंदोलन

★★

http://epaper.prabhatkhabar.com रांची, रविवार, 25 अप्रैल 2010 (वैशाख शुक्ल 12 संवत : 2067) रांची, पटना, जमशेदपुर, धनबाद, देवघर, कोलकाता और सिलीगुड़ी से एक साथ प्रकाशित • पृष्ठ 20 (साथ में पत्रिका) • मूल्य : चार रुपये www.prabhatkhabar.com

झारखंड में जिंदल का पहला मेगा प्लांट

वीरभद्र सिंह व नवीन जिंदल के साथ शिबू ने किया बलकुदरा में 0.6 एमटी के वायर रॉड मिल का उदघाटन

वरीय संवाददाता

रांची : पतरातू प्रखंड के बलकुदरा ने झारखंड के औद्योगिक विकास की नयी इबारत गढ दी है. राज्य के औद्योगिक विकास में जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड(जेएसपीएल) के पहले कदम का मुख्यमंत्री शिबू सोरेन ने उदघाटन किया. इसके साथ ही 0.6 मीट्रिक टन प्रतिवर्ष क्षमता के इस वायर रॉड मिल से उत्पादन आरंभ हो गया. मौके पर केंद्रीय इस्पात मंत्री वीरभद्र सिंह, केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण मंत्री सुबोधकांत सहाय, विधानसभा अध्यक्ष सीपी सिंह, उपमुख्यमंत्री रघुवर दास, सुदेश महतो, उद्योग मंत्री हेमलाल मुरमू, श्रम मंत्री उमाकांत रजक भी उपस्थित थे. जेएसपीएल एमडी नवीन जिंदल सीने पर तिरंगा का टैग लगाये अतिथियों की अगुवाई कर रहे थे. यह क्षण ऐतिहासिक बन गया. बलकुदरा के लिए, झारखंड के लिए और भारत के इस्पात उत्पादन के लक्ष्य के लिए.

क्या है प्लांट : 0.6 एमटी के वायर रॉड मिल में आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया है. इसमें 5.2 एमएम से 22 एमएम तक के वायर रॉड का उत्पादन होगा. यहां तार, छाते की कमानी, स्पोक, ट्रांसमिशन लाइन के तार आदि का निर्माण होगा.

क्या है योजना : जेएसपीएल का बलकुदरा में छह एमटी के स्टील प्लांट लगाने का प्रस्ताव है. पहले चरण में तीन एमटी का प्लांट लगाया जायेगा, जिसकी लागत 15 हजार करोड़ रुपये की होगी. इसी चरण के तहत 0.6 एमटी के वायर रॉड मिल का उदघाटन किया गया. एक एमटी के बार मिल अक्तूबर 2010 में तैयार हो जायेगा. तीन एमटी का पूरा प्लांट जून 2012 में चालू हो जायेगा. छह एमटी के प्लांट के 2015 तक चालू करने की योजना है.

26 हजार को मिलेगा रोजगार : वर्तमान में जेएसपीएल में 450 लोगों को प्रत्यक्ष रूप से नौकरी मिली है. इनमें 250 भूमिदाता हैं. इसके अलावा 2500 कर्मचारी अनुबंध पर कार्यरत हैं. पूरा प्लांट लगने पर छह हजार लोगों को प्रत्यक्ष और 20 हजार लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलेगा.

पहले चरण में 15 हजार करोड़ का निवेश

बंद कारखाना को जिंदा किया : पेज 14